Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-505

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

B.A. Darshan, Semester : Fifth
संस्कृत : प्रश्न-पत्र : पंचम्
संस्कृतसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. श्रीमद्भगवद्गीता के सोलहवें अध्याय के "दैवीसम्पद्" को श्लोकों सहित समझाइये।
2. छान्दोग्योपनिषद् में वर्णित "सत्यकाम जाबाल की कथा" अपने शब्दों में लिखें तथा इस कथा से क्या शिक्षा मिलती है? लिखें।
3. "श्रद्धात्रयविभागयोग" को स्पष्ट करते हुए किन्हीं तीन श्लोकों को लिखकर उनका अभिप्राय समझाइए।
4. छान्दोग्योपनिषद् के पंचम प्रपाठक में वर्णित प्राण की श्रेष्ठता पर प्रकाश डालिए।
5. कायिक, वाचिक, तथा मानसिक तप को गीता के सत्रहवें अध्याय के अनुसार स्पष्ट करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. आसुरी सम्पद् क्या है? श्लोक सहित लिखिए।
7. छान्दोग्योपनिषदानुसार ओंकार, प्रणव या उद्गीथ का महत्व समझाइये।
8. "त्रिविधा भवति श्रद्धा देहिनां सा स्वभावजा" का भाव स्पष्ट करें।
9. अर्थ लिखिए- "वागेवर्क प्राणः सामोमित्येतदक्षरमुद्गीथः। तद्वा एतन्मिथुनं यद्वाक् प्राणश्चर्क च साम च"
10. अश्वपति राजा की उद्घोषणा - "न मे स्तेनो जनपदे न कदर्यो न मद्यपो. ....." के प्रसंग को समझाइये।
11. "त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः" का क्या भाव है? श्लोक लिखकर व्याख्या करें।
12. "यो ह वै वसिष्ठं वेद वसिष्ठो हस्वानां भवति" वाग्वाववसिष्ठः" का अर्थ लिखिए।

----------x----------